वल्लरी : पाठ -13, शरारत का फल

कठिन शब्द :

1 शिकायत, 2 प्रार्थना, 3 . मुसीबत, 4 . एहसास, 5. बिच्छू, 6 . इच्छा, 7.पाठशाला,

8 . कॉलर, 9. मास्टर, 10. शैतान

शब्दार्थ :

1.हाट- बाज़ार

2.इच्छा- चाह , अभिलाषा

3.नकली - बनावटी

4.अहसास - अंदाज़ा होना

वाक्य निर्माण :

1. मास्टर -
2. मजदूरी -
3. मुसीबत -
4. हाट -

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

प्रश्न - क) अनन्त ने समीर का साथ देने से क्यों मना किया?

उत्तर - अनन्त ने समीर का साथ देने से मना किया क्योंकि अनन्त को डर था कि अगर उसके भाई को पता चला कि वह समीर के साथ रहता है, तो उसकी पिटाई करेगा।

प्रश्न - ख) समीर को अपनी गलती का एहसास कैसे और कब हुआ ?

उत्तर - जब समीर की शरारत से उसके पिता जी का पाँव टूट गया, तब उसे अपनी गलती का अहसास हुआ।

अतिरिक्त प्रश्न / उत्तर

प्र० क. समीर हाट से बिच्छू क्यों लाया था?

उत्तर – मास्टर जी को डराने के लिए ।

प्र० ख. समीर के पिताजी क्या काम करते थे?

उत्तर - समीर के पिताजी मज़दूरी का काम कटे थे।

प्र० ग. समीर के माता-पिता उसे विद्यालय क्यों भेजते थे ?

उत्तर - समीर के माता-पिता उसे विद्यालय इसलिए भेजते थे ताकि वह पढ़ लिख कर मास्टर जी जैसा बनजाए।

प्र० घ. इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर - इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें ऐसे कोई शरारत नहीं करनी चाहिए जिससे किसी कष्ट हो। हमें शिष्टाचार में रहना चाहिए।